पाठ 64

1. अगर एक आदमी के पास दुनिया की सारी दौलत होती, तो क्या वह धन उसकी मदद करता अगर वह अनन्त आग की झील में जाता?

-नहीं।

2. क्या संपत्ति हमें पाप, मृत्यु और शैतान से बचा सकती है?

-नहीं।

3. अमीर किसान का क्या हुआ?

-परमेश्वर ने उसे मरने के लिए बुलाया।

4. वह दिन कौन तय करता है जब सभी लोग मरेंगे?

-अकेले परमेश्वर।

5. धनी किसान के पास बहुत धन होने पर भी उसके पास क्या नहीं था?

-अनन्त जीवन।

6. महान धन से कहीं अधिक मूल्य का क्या है?

-परमेश्वर में विश्वास करना और अनन्त जीवन पाना।

7. हम कैसे जानते हैं कि अमीर आदमी और लाजर की कहानी एक सच्ची कहानी है?

-क्योंकि ये दोनों आदमी असल में धरती पर रहते थे।

8. जब इंसान मरता है तो उसकी आत्मा कहाँ जाती है?

-या तो सीधे स्वर्ग में परमेश्वर के साथ रहना या सीधे नरक में, आग और सजा का स्थान।

9. क्या धरती और स्वर्ग के बीच कोई प्रतीक्षालय है?

-नहीं।

10. सबसे पहले, अमीर आदमी ने इब्राहीम से क्या पूछा?

-लाजर को आने के लिए भेजो और उसकी जीभ को ठंडा करने के लिए उसकी उंगली की नोक को पानी में डुबो दो।

11. उन सभी के लिए जो परमेश्वर में विश्वास करने से इनकार करते हैं, मरने पर वे कहाँ जाएंगे?

-नरक में, अग्नि और दंड का स्थान।

12. उन सभी के लिए जो परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, मरने के बाद वे कहाँ जाएंगे?

-स्वर्ग में परमेश्वर के साथ रहना।

13. क्या दण्ड के स्थान में प्रवेश करने वाला कोई निकल सकेगा?

-नहीं।

14. दूसरे, अमीर आदमी ने इब्राहीम से क्या पूछा?

-अमीर चाहता था कि लाजर अपने भाइयों से बात करे ताकि आग और दण्ड के स्थान पर उन्हें कष्ट न उठाना पड़े।

15. इब्राहीम अमीर आदमी से क्या कह रहा था कि उसके भाइयों को क्या करना चाहिए?

-कि उन्हें परमेश्वर की बाइबल में परमेश्वर के वचन को पढ़ना और सुनना चाहिए।

16. यदि हम परमेश्वर के वचन को नहीं सुनेंगे और उस पर विश्वास नहीं करेंगे, तो क्या कुछ और है जो हमें बचा सकता है?

-नहीं।

-यीशु ने क्यों कहा कि वह दुनिया में आया है?

आइए पढ़ें मरकुस 10:45

45-यीशु ने कहा, "मनुष्य का पुत्र भी सेवा कराने नहीं, परन्तु सेवा करने और बहुतों की छुड़ौती के लिये अपना प्राण देने आया है।"

-क्या यीशु दुनिया में आया था ताकि हम उसके लिए काम करें और स्वर्ग जाने के लिए अपना रास्ता अर्जित करें?

-नहीं।

-यीशु हमें उसे कुछ भी देने के लिए नहीं कहते हैं।

-यीशु हमें उसके लिए कुछ करने के लिए नहीं कहते।

-यीशु परमेश्वर हैं, और उन्हें किसी चीज की जरूरत नहीं है।

-यीशु परमेश्वर है, और उसके पास वह सब कुछ है जिसकी उसे आवश्यकता है।

-यीशु दुनिया में इसलिए नहीं आए कि लोग उनकी सेवा करें।

-यीशु ने क्या कहा कि वह दुनिया में करने के लिए आया था?

-लोगों की सेवा करना, और कई लोगों के लिए फिरौती के रूप में अपना जीवन देना।

-जब यीशु और उनके चेले यरीहो शहर से निकल रहे थे, तो उनकी मुलाकात एक अंधे भिखारी से हुई।

आइए पढ़ें मरकुस 10:46

46-तब वे यरीहो आए। जब यीशु और उसके चेले, एक बड़ी भीड़ के साथ, शहर छोड़ रहे थे, एक अंधा आदमी, बरतिमाई (यानी, तिमाई का पुत्र), सड़क के किनारे भीख मांग रहा था।

-अंधे भिखारी का क्या नाम था?

-बरतिमाई।

-बरतिमाई का अंधापन हमें सभी लोगों की कैसे याद दिलाता है?

-जिस तरह बरतिमाई अंधा था, उसी तरह सभी लोग अंधे पैदा होते हैं।

-सभी लोग अंधे कैसे पैदा होते हैं?

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की, वे परमेश्वर के प्रति अंधे हो गए थे।

-क्योंकि आदम और हव्वा ने परमेश्वर की अवज्ञा की, वे परमेश्वर की सच्चाइयों के प्रति अंधे हो गए थे।

-क्योंकि सभी लोग आदम और हव्वा से पैदा हुए हैं, सभी लोग परमेश्वर के लिए अंधे पैदा हुए हैं।

-क्योंकि सभी लोग आदम और हव्वा से पैदा हुए हैं, सभी लोग परमेश्वर के सत्य के प्रति अंधे पैदा हुए हैं।

-जिस तरह बरतिमाई देख नहीं पा रहा था, उसी तरह हम परमेश्वर के सत्य को नहीं देख पा रहे हैं।

-क्या बरतिमाई फिर से देखने में सक्षम होने के लिए खुद कुछ करने में सक्षम था?

-नहीं।

-क्या लोग परमेश्वर के सत्यों को देखने में सक्षम होने के लिए स्वयं कुछ करने में सक्षम हैं?

-नहीं।

-जिस तरह बरतिमाई फिर से देखने में सक्षम होने के लिए खुद कुछ नहीं कर पा रहा था, उसी तरह सभी लोग खुद को कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं ताकि परमेश्वर के सत्य को देख सकें।

-बरतिमाई को फिर से देखने में अकेले कौन मदद कर सका?

-यीशु।

-अकेले कौन सभी लोगों को फिर से देखने में मदद कर सकता है?

-यीशु।

-जिस तरह अकेले यीशु ही बरतिमाई को फिर से देखने में मदद करने में सक्षम थे, उसी तरह केवल यीशु ही हमारे दिमाग को परमेश्वर के सत्य को देखने और समझने में मदद कर सकते हैं।

-बरतिमाई ने यीशु को क्या पुकारा?

आइए पढ़ें मरकुस 10:47

47 जब उसने सुना कि यह नासरत का यीशु है, तो वह चिल्लाने लगा, "यीशु, दाऊद की सन्तान, मुझ पर दया कर!"

-बरतिमाई ने यीशु को क्या कहा?

-दाऊद का बेटा।

-बरतिमाई ने यीशु को दाऊद का पुत्र क्यों कहा?

-क्योंकि यीशु राजा दाऊद का वंशज था जिसके बारे में परमेश्वर ने वादा किया था कि वह उद्धारकर्ता होगा।

-बरतिमाई जानता था कि वह अपनी मदद नहीं कर सकता।

-बरतिमाई जानता था कि केवल वही व्यक्ति जो उसकी मदद कर सकता था, वह था यीशु।

-क्योंकि बरतिमाई ने यीशु द्वारा किए गए महान चमत्कारों के बारे में सुना था, उसने यीशु को उसकी मदद करने के लिए बुलाया।

-बरतिमाई ने यीशु से उस पर दया करने को कहा।

-बरतिमाई जानता था कि वह चंगा होने के योग्य नहीं है।

-बरतिमाई जानता था कि वह चंगा होने के लिए भुगतान करने में सक्षम नहीं था।

-बरतिमाई जानता था कि अगर यीशु ने उसे चंगा किया, तो यह परमेश्वर की ओर से एक मुफ्त उपहार होगा।

-हम सब बरतिमाईस की तरह हैं।

-क्योंकि हमने पाप किया है, हम चंगा होने के योग्य नहीं हैं।

-क्योंकि पाप का दंड मृत्यु है, हम चंगा होने के लिए भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं।

-अगर हम ठीक हो जाते हैं, तो यह केवल परमेश्वर की ओर से एक मुफ्त उपहार है।

-बरतिमाई को यीशु को पुकारते हुए सुनकर लोगों ने क्या कहा?

आइए पढ़ें मरकुस 10:48

48-बहुतों ने उसे डांटा, और चुप रहने को कहा, परन्तु वह और भी चिल्लाने लगा, हे दाऊद के सन्तान, मुझ पर दया कर।

-लोगों ने बरतिमाई को क्यों डांटा और चुप रहने को कहा?

-लोगों ने सोचा कि यीशु एक गरीब, अंधे भिखारी की मदद नहीं करना चाहेंगे।

-क्या यह सच है कि यीशु एक गरीब, अंधे भिखारी की मदद नहीं करना चाहता था?

-नहीं।

-क्या यीशु एक गरीब, अंधे भिखारी की मदद करना चाहते थे?

-हां।

-यीशु हर व्यक्ति की मदद करना चाहता है।

-यद्यपि लोगों ने बरतिमाई को डाँटा और उसे चुप रहने को कहा, बरतिमाई ने यीशु को पुकारना जारी रखा।

-क्योंकि बरतिमाई लगातार यीशु को पुकारता रहा, यीशु ने उसे बुलाया।

आइए पढ़ें मरकुस 10:49

49-यीशु ने रुक कर कहा, "उसे बुलाओ।" तब उन्होंने उस अंधे को पुकारा, “उठो! अपने पैरों पर! वह आपको बुला रहा है।"

-बर्तिमेय भले ही गरीब और अंधा था, लेकिन क्या यीशु ने उसकी परवाह की?

-हां।

-क्या परमेश्वर सभी लोगों की परवाह करता है?

-हां।

-परमेश्वर के लिए हर व्यक्ति महत्वपूर्ण है।

-हम चाहे छोटे हों या लंबे, हम परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण हैं।

-हम चाहे काले हों या गोरे, हम परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण हैं।

-चाहे हम अमीर हों या गरीब, परमेश्वर के लिए हम महत्वपूर्ण हैं।

-हम स्वस्थ हों या बीमार, हम परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण हैं।

-हमारे पास बहुत ज्ञान है या नहीं, हम परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण हैं।

-क्या परमेश्वर प्रत्येक व्यक्ति से प्रेम करता है, और सभी लोगों को बचाना चाहता है?

-हां।

-बरतिमाई ने क्या किया जब यीशु ने उसे बुलाया?

आइए पढ़ें मरकुस 10:50-52

50-अपना चोगा एक ओर फेंक कर वह अपने पांवों पर चढ़ गया और यीशु के पास आया।

51- "तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिए करूँ?" यीशु ने उससे पूछा। अंधे ने कहा, "रब्बी, मैं देखना चाहता हूँ।"

52- "जाओ," यीशु ने कहा, "तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें चंगा किया है।" तुरन्त उसकी दृष्टि प्राप्त हुई और वह मार्ग में यीशु के पीछे हो लिया।

-बरतिमाई क्या चाहता था कि यीशु उसके लिए करे?

-बरतिमाई चाहता था कि यीशु उसे फिर से देखने में मदद करे।

-क्या यीशु बरतिमाई को फिर से देखने में मदद कर सके?

-हां।

-क्या बरतिमाई को विश्वास था कि यीशु उसे फिर से देखने में मदद कर सकता है?

-हां।

-क्या यीशु ने बरतिमाई को फिर से देखने में मदद की?

-हां।

-यिशु ने कहा कि क्योंकि बरतिमाई ने विश्वास किया था, बरतिमाई अब देख पा रहा था।

-यिशु ने तुरंत बरतिमाई को देखने की क्षमता दी।

-अकेला कौन था जो बरतिमाई को फिर से देखने में मदद कर सका?

-यीशु।

-केवल यीशु एक अंधे व्यक्ति को देखने में मदद कर सकते थे।

-क्योंकि परमेश्वर ने हम सभी को बनाया है, परमेश्वर अकेले ही हमें देखने में मदद कर सकते हैं।

-जैसे ही यीशु और उनके शिष्य यरूशलेम के पास पहुंचे, यीशु ने अपने शिष्यों को एक आदेश दिया।

आइए पढ़ें मरकुस 11:1-6

1-जब वे यरूशलेम के पास पहुंचे, और जैतून पहाड़ पर बैतफगे और बैतनिय्याह को आए, तब यीशु ने अपके दो चेलोंको भेजा,

2-उनसे यह कहना, “अपने आगे के गाँव में जाओ, और जैसे ही तुम उसमें प्रवेश करोगे, तुम्हें वहाँ एक गदहा बंधा हुआ मिलेगा, जिस पर कभी किसी ने सवार नहीं किया। इसे खोलकर यहाँ ले आओ।

3-यदि कोई तुझ से पूछे, 'तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?' उससे कहो, 'प्रभु को इसकी आवश्यकता है और वह इसे शीघ्र ही यहाँ वापस भेज देगा।'"

4-वे गए और उन्हें बाहर गली में दरवाजे पर बंधा एक गधा मिला। जैसे ही उन्होंने इसे खोला,

5-वहां खड़े कुछ लोगों ने पूछा, "तुम उस गधे को खोलकर क्या कर रहे हो?"

6-उन्होंने यीशु के कहने के अनुसार उत्तर दिया, और लोगों ने उन्हें जाने दिया।

-वह क्या था जिसे यीशु ने अपने दो शिष्यों को आज्ञा दी थी?

-अगले गाँव में जाने के लिए, एक गधे को खोलकर यीशु के पास ले आओ।

-क्या यीशु गधे को चुरा रहा था?

-नहीं।

-यीशु ने चेलों से कहा कि लोगों से कहो कि वे गधे को वापस लाएंगे।

-इसलिए, दो शिष्य अगले गाँव में गए, गधे को पाया, और उसे वापस यीशु के पास ले आए।

-जब शिष्य गधे के साथ लौटे, तो क्या हुआ?

आइए पढ़ें मरकुस 11:7-10

7-जब वे गदहे को यीशु के पास ले आए, और अपके वस्त्र उस पर फेंके, तब वह उस पर बैठ गया।

8-बहुत से लोगों ने सड़क पर अपना लबादा फैलाया, जबकि अन्य ने खेतों में डाली हुई डालियां फैला दीं।

9-आगे चलने वाले और पीछे चलने वाले चिल्ला उठे, "होस्ना! "धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है!

10-धन्य है हमारे पिता दाऊद का आने वाला राज्य! होसाना इन द हाईएस्ट!"

-यीशु गदहे पर बैठा, और यरूशलेम नगर में सवार हुआ।

-जैसे परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा कहा था, यीशु गधे पर सवार होकर यरूशलेम में प्रवेश किया

-जैसे ही यीशु यरूशलेम में सवार हुआ, लोगों ने उसकी जय-जयकार की।

-लोगों ने यीशु की जय-जयकार क्यों की और दाऊद के आने वाले राज्य की बात क्यों की?

-क्योंकि लोगों को लगा कि यीशु उन्हें रोमियों के शासन से छुड़ाने के लिए आ रहे हैं।

-क्या यीशु लोगों को रोमियों के शासन से छुड़ाने के लिए यरूशलेम गए थे?

-नहीं।

-यीशु यरूशलेम क्यों गए?

-यीशु लोगों को पाप, मृत्यु और शैतान की शक्ति से छुड़ाने गए।